भारत सरकार

जल शक्ति मंत्रालय

जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2463

जिसका उत्तर 13 मार्च, 2025 को दिया जाना है।

.....

विभिन्न राज्यों में भूजल क्षरण की दर

2463. श्री आशीष दुबे:

श्री धर्मबीर सिंह:

क्या **जल शक्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के अधिकांश क्षेत्रों में भूजल का स्तर लगातार कम होता जा रहा है;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार ने विगत पांच वर्षों के दौरान देश के विभिन्न राज्यों विशेषकर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और मध्य प्रदेश के जबलपुर संभाग जैसे राज्यों में भूजल स्तर की कमी की दर का आकलन करने के लिए कोई सर्वेक्षण अथवा आकलन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा भूजल स्तर की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) अत्यधिक दोहन, वनों की कटाई और अकुशल सिंचाई पद्धतियों सहित भूजल स्तर में तेजी से गिरावट के क्याकारण हैं;

(घ) सरकार द्वारा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन और भूजल पुनर्भरण को बढ़ावा देने के लिए क्या उपाय किए गए/किए जा रहे हैं;

(ङ) क्या सरकार अत्यधिक भूजल दोहन करने वाले उद्योगों और व्यवसायों पर सख्त नियम लागू कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी व्यौरा क्या है; और

(च) किसानों को ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसी जल-किफ़ायती सिंचाई पद्धतियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित करनेहेतु किसी वित्तीय योजना या प्रोत्साहन का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी

(क):केन्द्रीयभूमिजलबोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) औरसंबंधितराज्यनोडल/भूजलविभागद्वारासंयुक्तरूपसेवार्षिक आधार पर देशकेडॉयनेमिक भूमिजलसंसाधनोंकाआकलनकियाजारहाहै। वर्ष 2017 केआकलनऔरवर्ष 2024 केआंकड़ोंकीतुलनाकरनेपरयहपाया गयाहैकिदेशमेंकुलवार्षिकभूजलपुनर्भरण 432 बिलियनक्यूबिकमीटर (बीसीएम) सेबढ़कर 446.9 बीसीएमहोगयाहैतथा इसी अवधिकेदौरानदेशमेंकुलनिष्कर्षणयोग्यभूजल 393 बिलियनक्यूबिकमीटर (बीसीएम) सेबढ़कर 406 बीसीएमहोगयाहै। इसकेअतिरिक्त, भूमिजलनिष्कर्षण (एसओई) काचरण,

जिसेकुलवार्षिकनिष्कर्षणयोग्यभूमिजलसंसाधनोंकीतुलनामेंसभीप्रयोजनोंकेलिएकुल वार्षिक भूजलनिष्कर्षणकेअनुपातकेरूपमेंपरिभाषितकियागयाहै, इसीअवधिकेदौरान 63% सेघटकर 60.47% होगयाहै, जोक्षेत्रीयविविधताओं केबावजूददेशमें भूजलकी समग्र स्थितिमेंसुधारका संकेत है।

(ख):पंजाब, हरियाणा, राजस्थानऔरमध्यप्रदेशकेजबलपुरप्रभाग मेंवर्ष 2017 और 2024 केलिएउपलब्धकुलनिष्कर्षणयोग्यभूजलकेतुलनात्मकआंकड़े**अनुलग्नक-I**मेंदिएगएहैं।
इसकेअतिरिक्तमानसून पश्चात वर्ष 2024 केजलस्तरकीतुलनापिछलेपांचवर्षोंकेऔसतसेकरतेहुएउक्तराज्योंमेंभूजलस्तरकेउतार-चढ़ावकाविवरण **अनुलग्नक-II** मेंदियागयाहै।

(ग):तीव्रगति से औद्योगिकीकरणकीबढ़तीआवश्यकता, निरंतरशहरीकरण, जनसंख्यामें वृद्धि, जलकी अधीत खपत वाली फसलोंकेप्रतिकिसानोंकारूझान, जलवायुपरिवर्तनकेप्रभावआदि घटक देशकेभूजलसंसाधनोंपरदबावडालनेवालेप्रमुखकारक हैं।

(घ):जलराज्यकाविषयहै,भूजलसंसाधनोंकासततविकासऔरप्रबंधनमुख्यत:राज्यसरकारोंकादायित्वहै । तथापि, केन्द्रसरकारअपनीविभिन्नस्कीमोंऔरपरियोजनाओंकेमाध्यमसेतकनीकीऔरवित्तीयसहायताकेमाध्यमसेराज्यसरकारोंकेप्रयासोंकोसमर्थन प्रदान करती है। इसदिशामेंजलशक्तिमंत्रालयऔरअन्यकेंद्रीयमंत्रालयोंद्वारादेशमेंभूजलस्तरमेंसुधारऔरभूजलसंसाधनोंकेसततविकासकेलिएउठाएगएमहत्वपूर्णकदमनिम्नलिखित हैं: -

I. सरकारवर्ष 2019 सेदेशमेंजलशक्तिअभियान (जेएसए) का कार्यान्वयन कररहीहैजोवर्षा जल संचयनऔरजलसंरक्षणगतिविधियोंकेलिएमिशनमोडपर एक समयबद्धकार्यक्रमहै। वर्तमानमें, देशमेंजेएसएका कार्यान्वयन वर्ष 2024 से किया जारहाहै, जिसमेंदेशकेजलसंकटका सामना करने वाले 151 जिलोंपरविशेषध्यानदियाजारहाहै। जेएसएएकव्यापक अभियानहैजिसकेतहतविभिन्नकेंद्रीयऔरराज्ययोजनाओंकेअभिसरणमेंविभिन्नभूजलपुनर्भरणऔरसंरक्षणसंबंधीकार्यकिएजारहेहैं।

II. सीजीडब्ल्यूबीद्वारापूरेदेशकेलिएभूजलकेकृत्रिमपुनर्भरणकेलिएमास्टर प्लान-2020 तैयारकियागयाहैऔरइसे राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों केसाथसाझाकियागयाहै। इस मास्टर प्लान में 185 बीसीएम (बिलियनक्यूबिकमीटर) भूजल कादोहनकरनेकेलिएदेशमेंलगभग 1.42 करोड़वर्षाजलसंचयनऔरकृत्रिमपुनर्भरणसंरचनाओंकेनिर्माणकी एकव्यापकरूपरेखाका प्रावधान किया गया है।

III. सीजीडब्ल्यूबीद्वारा जलभृत्तविन्यास और इसके विशिष्टीकरण कीरूपरेखातैयारकरनेकेउद्देश्यसेराष्ट्रीयजलभृत्तमैपिंग औरप्रबंधनकार्यक्रम (एनएक्यूआईएम) की शुरुआत की गई है। इसयोजनाकेतहतदेशकेलगभग 25 लाखवर्गकिलोमीटरकेसमस्त मैपिंग योग्यक्षेत्रकामैपिंग कियागयाहैऔरकृत्रिमपुनर्भरणकेलिएइसे सिफारिशोंसहितप्रबंधनयोजनाओंकोकार्यान्वयनकेलिएसंबंधितराज्यसरकारोंकेसाथसाझाकि यागयाहै।

IV. भारतसरकारद्वारामिशनअमृतसरोवरकी शुरुआत की गयी थी,जिसकाउद्देश्यदेशकेप्रत्येकजिलेमेंकमसेकम 75 जलनिकायोंकाविकासऔरपुनरुद्धार करनाथा। इसकेपरिणामस्वरूपदेशमेंलगभग 69,000 अमृतसरोवरकानिर्माण/पुनरुद्धार कियागयाहै।

V. जलशक्तिअभियानकीगतिमें और अधिक तेजी लाने के उद्देश्य से जलसंचयजनभागीदारी,भारतमेंजलसंस्कार,जलकी स्थायित्वता केलिएसमुदाय-आधारित आंदोलन का माननीय प्रधानमंत्रीनरेंद्रमोदीद्वारादिनांक 6 सितंबर, 2024 कोसूरत, गुजरातमेंदेशमेंवर्षाजलसंचयनकोएकजनआंदोलनबनानेकीदृष्टिसेशुभारंभ कियागयाहै। इस पहल के माध्यम से सामुदायिकस्वामित्वऔरजिम्मेदारीकोबढ़ावादेते हुए विभिन्नक्षेत्रोंमेंविशिष्टजलचुनौतियोंकेअनुरूपलागतप्रभावी, स्थानीयसमाधानविकसितकरने का प्रयास किया गया है।

VI. आवासन औरशहरीकार्यमंत्रालय (एमओएचयूए) द्वारा राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों केलिएमॉडलभवन उप नियम (एमबीबीएल), 2016 तैयारकिएहैं, जिसमेंवर्षाजलसंचयनऔरजलसंरक्षणउपायोंकीआवश्यकतापरपर्याप्तध्यानदियागयाहै। एम बीबीएलकेअनुसार 100 वर्गमीटरयाउससेअधिककेभूखंडकेआकारवालेसभीभवनोंमेंवर्षाजलसंचयनके समग्र प्रस्तावको अनिवार्यरूपसेशामिलकिया जाना होगा। 35 राज्यों/संघराज्यक्षेत्रोंद्वारा मॉडलउप-नियमोंकोअपनालियागया है।

VII. जलशक्तिमंत्रालयद्वारा सभीराज्यों/संघराज्यक्षेत्रोंकोएकमाडलबिलपरिचालितकियागया हैताकिवेभूजलकेविकासकेविनियमनकेलिएउपयुक्तभूजलकानूनका अधिनियमन करसकें, जिसमेंवर्षाजलसंचयनऔरभूजलपुनर्भरणकेप्रावधानभीशामिलहैं। अबतक 21 राज्यों/संघराज्यक्षेत्रोंद्वारा भूजलकानूनकोअपनायाऔरइसका कार्यान्वयन कियागया है।

(ङ):केंद्रीयभूजलप्राधिकरण (सीजीडब्ल्यूए) द्वाराअधिकांशराज्योंमेंअपनेदिनांक 24.09.2020 केदिशानिर्देशों,जिनकीअखिलभारतीयप्रयोज्यताहै,केप्रावधानोंकेअनुसारदेशमेंभूजलके निष्कर्षणएवं

उपयोगको एनओसीजारीकरविनियमितकियाजाताहै। इन दिशा-निर्देशोंकेअनुसारवैधअनापत्तिप्रमाण-पत्रकेबिनाभूजलका निष्कर्षण करने वालीपरियोजनाओंपरपर्यावरणीयक्षतिपूर्ति (ईसी) प्रभारलगाएजारहेहैं। इसकेअतिरिक्त, अनापत्तिप्रमाणपत्रकी शर्तोंकेउल्लंघन, भूजलकेअधिकनिष्कर्षण, निष्कर्षण किए गए भूजलकोमापनेकेलिएपीजोमीटरों/जलप्रवाहमीटरोंकीस्थापना न करनेआदिपर कठोरदंडकाभीप्रावधानकियागयाहै।

(च):भारतसरकारद्वारा
राज्योंकोभूजलकेसंरक्षणकेलिएजलकुशलसिंचाईतकनीकोंकोअपनानेकेलिएअपनेकिसानोंपरजोरदेनेके लिएनिरंतर प्रोत्साहितकिया जा रहा है। इससंबंधमें, इस समयसूक्ष्मसिंचाईको अपनाने केलिएप्रोत्साहनके उद्देश्य से निम्नलिखितयोजनाएंकार्यान्वितकीजारहीहैं:

i. केंद्रसरकारद्वारा गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थानऔरउत्तरप्रदेशराज्योंमेंजलकी कमी वाले 80 जिलोंमेंअटलभूजलयोजनाका कार्यान्वयन किया जा रहा है। इसस्कीमकामुख्य उद्देश्यग्रामीणस्तरोंपरस्थानीयसमुदायोंकोशामिलकरतेहुएक्षेत्रकेजलबजटपरआधारितवैज्ञा निकसाधनोंकेमाध्यमसेमांगपक्षप्रबंधनकरनाहैजिससेलक्षितक्षेत्रोंमेंस्थायीभूजलप्रबंधनसंभव होसके।
   अटलजलयोजनाकेतहतड्रिपऔरस्प्रिंकलरकेउपयोगजैसीजलकुशलसिंचाईप्रथाओंकोबढ़ावादेना औरकिसानोंकोकमजल कीआवश्यकतावालीफसलोंको अपनाने केलिएप्रोत्साहितकरना इसकेप्रमुखलक्षित क्षेत्रहैं।

ii. कृषिऔरकिसानकल्याणविभाग (डीएएंडएफडब्ल्यू), भारतसरकार, द्वारा वर्ष 2015-16 सेदेशमेंप्रतिबूंदअधिकफसलयोजनाका कार्यान्वयन किया जा रहा है। यह योजना सूक्ष्मसिंचाईकेमाध्यमसेखेतस्तरपरजलउपयोगदक्षताबढ़ानेऔरउपलब्धजलसंसाधनोंकेइष्टत म उपयोग केलिएबेहतरऑन-फार्मजलप्रबंधनप्रथाओंपरकेंद्रितहै।

*****

अनुलग्नक-I

'विभिन्न राज्यों में भूजल क्षरण की दर' के संबंध में दिनांक13 .03.को लोक सभा में 2025 उत्तर दिए जाने वालेअतारांकित प्रश्न संख्या 2463भाग)खके उत्तर में उल्लिखित (अनुलग्नक।

□ंजाब, हरियाणा, राजस्थानऔरमध्यप्रदेशकेजबल□ुरप्रभाग केलिएतुलनात्मकभूजलसंसाधनआकलन (वर्ष 2017 और 2024)

क्रम संख्या	राज्य/ क्षेत्र	वार्षिक भूजल □ुनर्भरण (बीसीएम)		वार्षिकनिष्कर्षणयोग्यभू जल संसाधन (बीसीएम)		सभीउ□योगोंकेलिएवार्षिकभू जल निष्कर्षण (बीसीएम)		निष्कर्षणकाचरण (एसओई) (%)	
		2017	2024	2017	2024	2017	2024	2017	2024
1	पंजाब	23.93	19.19	21.58	17.63	35.78	27.66	165.77	156.87
2	हरियाणा	10.15	10.32	9.13	9.36	12.50	12.72	136.91	135.96
3	राजस्थान	13.21	12.58	11.99	11.37	16.77	17.05	139.88	149.86
4	जबलपुर प्रभाग	6.19	5.68	5.83	5.38	2.38	2.52	40.82	46.88

जबल□ुरप्रभाग मेंमध्यप्रदेशकेबालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडोरी, जबल□ुर, कटनी, मंडला, नरसिंह□ुरऔरसिवनीजिलेशामिलहैं।

*****

अनुलग्नक-II

'विभिन्न राज्यों में भूजल क्षरण की दर' के संबंध में दिनांक13 .03.को लोक सभा में 2025 उत्तर दिए जाने वालेअतारांकित प्रश्न संख्या 2463भाग)ख के उत्तर में (उल्लिखित अनुलग्नक।

हरियाणा, ंजाबऔरराजस्थानकेलिएऔसत (मानसून श्चात वर्ष 2019 से 2023) औरमानसून श्चात 2024 (अ रिरुद्ध जलभृत) केसाथराज्यवारजलस्तरमेंउतार-चढ़ाव (मीटरमें)

क्रम संख्या.	राज्य/क्षेत्र	विश्लेषण किए गए कूों की संख्या	विभिन्न उतार-चढ़ाव मीटर की सीमा में कूों की संख्या												कुओं की कुल संख्या			
			उतार						चढ़ाव									
			0 से 2 (मीटर)	%	2से 4 (मीटर)	%	> 4 (मीटर)	%	0 से 2 (मीटर)	%	2 से 4 (मीटर)	%	> 4 (मीटर)	%	चढ़ाव	%	उतार	%
1	हरियाणा	163	61	37.4	11	6.7	7	4.3	57	35	19	11.7	8	4.9	79	48.5	84	51.5
2	पंजाब	174	43	24.7	9	5.2	4	2.3	74	42.5	30	17.2	13	7.5	56	32.2	117	67.2
3	राजस्थान	824	263	31.9	120	14.6	132	16	163	19.8	61	7.4	85	10.3	515	62.5	309	37.5
4	जबलपुरप्रभाग	179	53	29.6	6	3.4	5	2.8	102	57	9	5	3	1.7	64	35.8	114	63.7

जबल ुरप्रभाग मेंमध्यप्रदेशकेबालाघाट, छिंदवाड़ा, डिंडोरी, जबल ुर, कटनी, मंडला, नरसिंह ुरऔरसिवनीजिलेशामिलहैं।

*****